

खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे भजन लिरिक्स



बाबा मुझको दर पे बुलाले,
अब तो मुझसे रहा ना जाए,
प्रेमी तुझको दिल से तो आवाज़ लगाए रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे,
ग्यारस बीते महीने बीते क्यों तड़पाये रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे।bd।

तर्ज - घर आज्ञा परदेसी तेरा।

तेरी सूरत का है जादू,
मेरा खुद पे नहीं है काबू,
तुझको देखूँ तुझमें खोऊँ,
इससे ज्यादा कुछ ना चाहूँ,
मेरे बाबा मुरली वाले,
मेरे बाबा लीले वाले,
तेरा दर्शन पाकर मेरा मन हर्षाये रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे।bd।

देख खाटू की वो गलियाँ,
मन मेरा कहे कन्हैया,
रिंगस से निशान उठाऊँ,
तोरण द्वार पे सर मैं झुकाऊँ,
इस मिट्टी को मैं ही चूमूँ,
सोच सोच कर मैं ही झूमूँ,
खाटू की उस धरती पर मैं नाचूँ गाऊँ रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे।bd।

ये मेरी अर्ज़ी है श्याम,
खाटू आना है ज़रूरी,
तेरे बिन मैं जी ना पाऊँ,
तेरी यादों में मर जाऊँ,
तेरे दर्शन की है ठानी,
सुनले मेरे शीश के दानी,
'वर्मा' तेरा बेटा बाबा तुझे मनाये रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे।bd।



बाबा मुझको दर पे बुलाले,
अब तो मुझसे रहा ना जाए,
प्रेमी तुझको दिल से तो आवाज़ लगाए रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे,
ग्यारस बीते महीने बीते क्यों तड़पाये रे,
खाटू बुलाले साँवरिया मेरा मन घबराये रे।bd।

Singer – Yash Verma